नाम	: no name
लिंग	: पुरुष
जन्म तिथि	: 7 जून, 1975 शनिवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 10:30:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति	: Standard Time
जन्म स्थल	: Ernakulam
रेखांश (Deg.Mins)	: 76.17 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins)	: 9.59 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 31 मिनिट. 4 सेकेन्ड.
दशा पद्धति	: विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र	: **भरणी**
नक्षत्र पद	: 3
नक्षत्र का देव	: शुक्र
जन्म राशी	: **मेष**
राशी का देव	: मंगल
लग्न	: कर्क
लग्न का देव	: चन्द्र
तिथि	: त्रयोदशी, कृष्णपक्ष
करण	: हाथी
नित्ययोग	:
सूर्योदय	: 06:03 AM Standard Time
सूर्योस्त	: 06:44 PM " "
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	: शनिवार
प्रादेशिक समय	: Standard Time - 25 Min.

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष = 23डिग्रि.31 मिनिट.4 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	113:9:6	कर्क	23:9:6	आशलेष	2
चन्द्र	20:58:28	मेष	20:58:28	भरणी	3
रवि	52:19:54	वृषभ	22:19:54	रोहिणी	4
बुध	57:39:18	वृषभ	27:39:18रितु	मृगशिरा	2
शुक्र	97:15:29	कर्क	7:15:29	पुष्य	2
मंगल	349:4:5	मीन	19:4:5	रेवत्ति	1
गुरु	354:21:56	मीन	24:21:56	रेवत्ति	3
शनि	84:9:48	मिथुन	24:9:48	पुर्नवासु	2
राहु	216:45:12	वृशचिक	6:45:12	अनुराधा	2
केतु	36:45:12	वृषभ	6:45:12	कृत्तिका	4
गुलिक	63:12:11	मिथुन	3:12:11	मृगशिरा	3

राशी

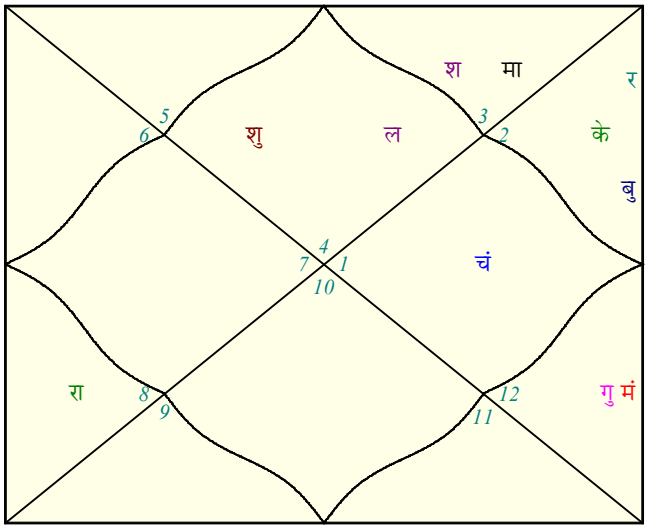

जन्म के समय दशा की समतुलना = शुक्र 8 साल, 6 महीने, 13 दिन

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

पुरे सालभर में सूरज ज्योतिषचक्रका ३६० डिग्री का एक गोल संक्रमण करता है। आपके जीवन कें विशीष्ट साल का परिणाम या प्रतिफलका विश्लेषण करनें हेतू, जन्मकुंडली उस वक्त निकाली है जहा संक्रमण करता हुआ सूरज वहा है जहा वो आपके जन्म समय था। इस जन्मकुंडलीका विशीष्ट साल कें लिए आपके जीवन कें प्रसंग और भविष्यवाणी बताने हेतू उपयोग किया जाता है। वार्षिक या प्रगतीशील जन्मकुंडली यह पश्चिमी ज्योतीषशास्त्र कें सिडेरियल सोलर रिटर्न चार्ट जैसी ही है।

वर्षफल कों तजाका या ज्योतीषशास्त्र की ताजिक प्रणाली कें रूप में जाना जाता है। बहोत लेखको में सें, निलकंठ और केशव यह जो बहोत बडे लेखक है जिन्होनें ताजिक प्रणाली पर अच्छा लिखा है।

यहा दिया गया वार्षिक जन्मकुंडली विश्लेषण और भविष्यवाणी ताजिक प्रणाली कें तत्वोंपर आधारित है। वर्षफल को नये साल में प्रवेश ऐसे कहा जाता है और उसका बहोत बडा महत्व है। यह पुरातन किताबों या ग्रंथो में सूझायें विस्तृत पद्धती सें यह निकाला गया है। आपकें जन्मके सप्ताह का दिन, वर्षफल कें रूप में जाना जाता है। वार्षिक कुंडली कें लग्न के अलावा, जिसकों वर्ष लग्न कहा जाता है और एक महत्वपुर्ण परिणाम होता है जिसें मुंथा, मुंथा स्वामी और वर्ष स्वामी कहा जाता है।

परासरा प्रणाली और वर्षफल अंतर्गत जन्मकुंडली का निर्णय लेने हेतू, नियमों में बहोत बडा अंतर या असमानता है। दो प्रणाली में पैलू और मेल इनके नियमों का संच अलग-अलग होता है। परासर प्रणाली में शब्दबला के अलावा पंचवर्गी य बला सें ग्रहो का सामर्थ्य निर्धारित होता है।

पूर्ववर्ती विश्लेषण में, विविध घटकों कें परिणाम कभी कभी प्रतिकूल रहते है और कभी कभी अनुकूल होते है। कुछ अशुभ परिणाम शुभ परिणामों सें नष्ट होते है, बहोत समय इसका पुरे सालभर में आप या कुछ समय में अनुभव लें गे। पुरे सालभरका कुल निर्णय हर एक वार्षिक भविष्यवाणी कें अंत में दिया जाता है।

कृपया ध्यान रखें , वर्षफल अवधि में वर्षप्रवेश कें दिन सें संपुर्ण साल समाविष्ट किया जाता है, जो लगभग एक जन्मदिन सें दुसरे जन्मदिन तक रहता है।

यहा दियी गयी भविष्यवाणी भाग्य का दर्शक है और आप आपके परिश्रम, इच्छा-शक्ति और भगवान का आशिर्वाद इससें कठिन समय पर निश्चीत रूप से विजय प्राप्त कर सकते है।

Forecast from 1-January-2017 to 6-June-2017 Year : : **42**

वर्षप्रवेश

दिनांक : 6-June-2016
समय : 10.45.39 PM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष = 24डिग्रि.5 मिनिट.6 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	291:15:24	मकर	21:15:24	श्रावण	4
चन्द्र	74:4:15	मिथुन	14:4:15	आर्द्र	3
रवि	52:19:44	वृषभ	22:19:44	रोहिणी	4
बुध	28:26:23	मेष	28:26:23	कृत्तिका	1
शुक्र	52:16:37	वृषभ	22:16:37	रोहिणी	4
मंगल	212:35:17	वृशचिक	2:35:17रितु	विशखा	4
गुरु	140:20:16	सिंह	20:20:16	पूर्व फालगुनी	3
शनि	228:46:35	वृशचिक	18:46:35रितु	ज्येष्ठ	1
राहु	143:10:15	सिंह	23:10:15	पूर्व फालगुनी	3
केतु	323:10:15	कुंम्भ	23:10:15	पूर्व भद्रपाढा	1
गुलिक	264:29:14	धनु	24:29:14	पूर्वषाढा	4

मुंथा धनु

वार्षिक कुंडली

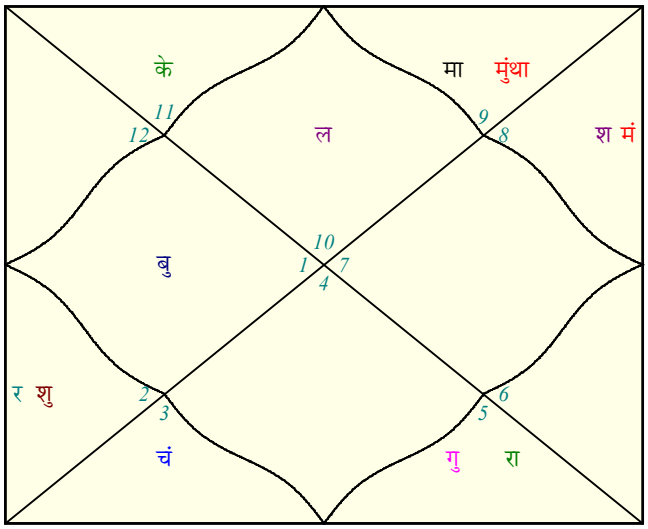

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	0	5	0	0	0
दुसरा तीव्रता	0	0	0	5	5	0	0
तीसरा तीव्रता	0	5	0	0	5	0	0
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	5	5	5	15	10	0	5
शक्ती	कमझोर	कमझोर	कमझोर	पुरा	मध्यम	कुछ नही	कमझोर

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	22.5	7.5	15.0	30.0	30.0	7.5	7.5
उच्च	15.437	15.297	4.827	13.858	10.51	14.962	16.803
हड्डा	11.25	3.75	7.5	3.75	15.0	11.25	7.5
द्रिख्खन	5.0	2.5	5.0	2.5	10.0	2.5	2.5
नवांश	2.5	2.5	3.75	2.5	2.5	1.25	1.25
सभी मिलाकार	56.687	31.547	36.077	52.608	68.01	37.462	35.553
विमसोपका	14.172	7.887	9.019	13.152	17.003	9.366	8.888
शक्ती	पुरा	मध्यम	मध्यम	पुरा	जादा	मध्यम	मध्यम

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	गुरु	9.366	पैलू नही	नही
जन्म लग्न स्वामी	चन्द्र	14.172	पैलू नही	नही
वर्ष लग्न स्वामी	शनि	8.888	मैत्रीपूर्ण	हां
त्री-राशी स्वामी	मंगल	17.003	मैत्रीपूर्ण	हां
दिन-रात्री स्वामी	बुध	9.019	प्रतिकूल	हां

पात्र ग्रहों के बिच, मंगल इसे उची तीव्रता है
मंगल को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

मुंथा बारहवें स्थान में है इससें आपका खर्च बढ सकता है। इस अवस्था दरम्यान, खर्च करनें पर ध्यान रखें और आपके बजेट में रहें। अच्छे मित्र चुनें। क्यों कि अलग-अलग लोंगो सें मिलनें सें आपकी प्रतिष्ठा कम हो सकती है। आपकी मेहनत के लिए आपकों पारितोषीक नही मिलेगा। धैर्य रखने सें आपके ध्येय प्राप्त कर सकते है। दुर स्थान पर जाना टालें।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

यह जानना बहोत महत्वपूर्ण है की, आपके वार्षिक कुंडली में , मुंथा और मुंथा स्वामी अशुभ स्थान में है। इसलिए, अनिष्टकारक प्रभाव बढते है।

मुंथा आठवें स्थान में है। इस साल, आपका स्वास्थ्य ठीक नही रहेगा। आपको खुद को ठीक करने हेतू कुछ समय निकालना पडेगा। आपकी प्रतिष्ठा पर प्रभाव ना पडे इसलिए कुछ बुरे लोगो सें सहकार्य ना करें। इस साल में , कुछ अवधि में आर्थिक कठिनाइयाँ आ सकती है। आपकी बढती आवश्यकता पुरी होने हेतू आपको आवश्यक पैसा प्राप्त नही होगा।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

मंगल यह साल का स्वामी है और वह बलवान है। इस आनेवाले साल में आप जो भी कुछ करेंगे उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। आप परिवार और मित्रो में प्रसिद्ध पुरूष रहेंगे। आपकी संपत्ती और स्थान में वृद्धी रहेंगे। आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगी और उनको मित्र बनायेंगे। सामान्य रूप सें, इस साल स्वामी कें सामर्थ्य सें आप आनन्दी रहेंगे।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

ज़न्म लग्न वार्षिक सातवां स्थान है। आगे के कुछ महिनों में , आप कुछ शुभ समारंभ का हिस्सा हो सकते है। जीवन में विवाह या रोमांस होने का यह अच्छा समय है। आप नये संबंध विकसीत करेंगे जो आपके लिए मदतपूर्ण साबित हों गे।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा छठे स्थान में है। यह विवादो का कारन है और विरोधीयों से अडचनें, आखों की समस्या, पैसो का नुकसान, मानसिक चिंता, और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है।

सुर्य पाँचवे स्थान में है। इससे लोगो के साथ अलोकप्रियता, विवादों में अडचनें , संदेहात्मक निर्णय लेना, बच्चो को दुख, बिमारी और पैसे कम पडना यह चिजें दिखाई देती है।

बुध चौथे स्थान में है। इससे सामान्य आनन्द, अच्छा उत्पन्न, उनसे नयी प्राप्ती और लाभ, नयी गाय या जमीन की प्राप्ती, नयी गाडी का आनन्द यह

दिखाई देता है।

शुक्र पाँचवे स्थान में है। इससे भय, दुख और चिंता ग़ायब होने की अच्छी संभावना है। शत्रुओं के साथ अडचनें, अच्छा आश्चर्य और इस साल ककें बिच आनन्द रहेगा।

मंगल ग्यारहवे स्थान में है। इससे अच्छा स्थान और आर्थिक लाभ, मौल्यवान रत्नो की खरिददारी और अच्छी प्राप्ती होगी।

गुरू आठवे स्थान में है। इससे उल्टी होना, मिचली और बुखार, दुर्बल शारिरीक स्वास्थ्य, कानों से बिमारी, मानसिक असंतुलन और निषिद्ध कृती होने की वृत्ती इनकी संभावना है।

शनी ग्यारहवे स्थान में है। इससे उचे लोगो सें संपर्क, उत्पन्न में वृद्धी और मालमत्ता की खरिददारी की संभावना दिखाई देती है।

राहु आठवे स्थान में है। इससे दस्त या बुखार, अनैच्छिक घटना और प्रसंग की संभावना है।

केतु दुसरे स्थान में है। इससे स्वास्थ्य और संपत्ती की अडचनें दिखाई देती है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	प्रतिकूल
रवि	प्रतिकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	अनुकूल
मंगल	अनुकूल
गुरु	प्रतिकूल
शनि	अनुकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	प्रतिकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः **प्रतिकूल**

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	प्रतिकूल
मुंथा स्वामी	प्रतिकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	प्रतिकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींग: 40 %

■■■■■■■■■■■■□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□

Forecast from 7-June-2017 to 31-December-2017 Year : : **43**

वर्षप्रवेश

दिनांक : 7-June-2017
समय : 04.54.48 AM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष = 24डिग्रि.5 मिनिट.51 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	34:49:22	वृषभ	4:49:22	कृत्तिका	3
चन्द्र	204:12:29	तुला	24:12:29	विशखा	2
रवि	52:19:46	वृषभ	22:19:46	रोहिणी	4
बुध	35:59:29	वृषभ	5:59:29	कृत्तिका	3
शुक्र	6:33:15	मेष	6:33:15	अशविनि	2
मंगल	67:25:44	मिथुन	7:25:44	आर्द्र	1
गुरु	169:7:43	कन्या	19:7:43रितु	हस्त	3
शनि	241:1:40	धनु	1:1:40रितु	मूल	1
राहु	123:48:54	सिंह	3:48:54	मघा	2
केतु	303:48:54	कुंम्भ	3:48:54	धनिष्ठ	4
गुलिक	243:4:29	धनु	3:4:29	मूल	1

मुंथा मकर
वार्षिक कुंडली

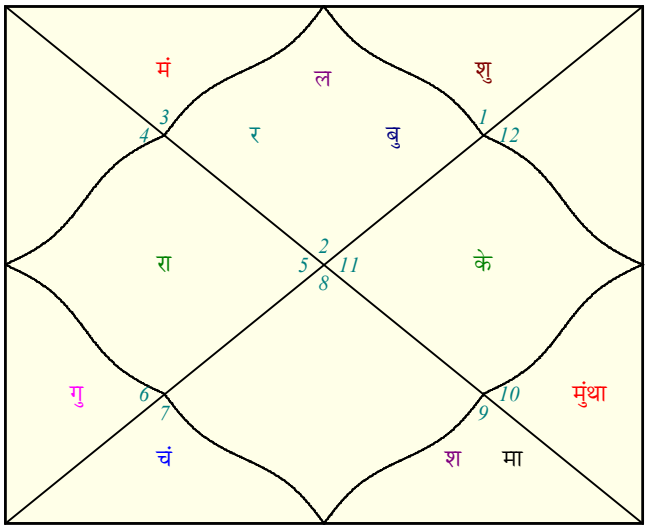

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	5	0	0	0	0
दुसरा तीव्रता	0	0	0	0	0	0	0
तीसरा तीव्रता	0	0	5	0	0	5	5
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	5	0	15	5	0	5	10
शक्ती	कमझोर	कुछ नही	पुरा	कमझोर	कुछ नही	कमझोर	मध्यम

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	7.5	15.0	15.0	22.5	15.0	22.5	7.5
उच्च	0.977	15.297	5.666	18.938	5.619	11.763	15.441
हड्डा	3.75	7.5	7.5	15.0	11.25	15.0	3.75
द्रिख्खन	5.0	5.0	10.0	7.5	2.5	5.0	5.0
नवांश	1.25	2.5	2.5	5.0	1.25	3.75	1.25
सभी मिलाकार	18.477	45.297	40.666	68.938	35.619	58.013	32.941
विमसोपका	4.619	11.324	10.167	17.235	8.905	14.503	8.235
शक्ती	कमझोर	पुरा	पुरा	जादा	मध्यम	पुरा	मध्यम

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	शनि	8.235	पैलू नही	नही
जन्म लग्न स्वामी	चन्द्र	4.619	पैलू नही	नही
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र	17.235	पैलू नही	नही
त्री-राशी स्वामी	चन्द्र	4.619	पैलू नही	नही
दिन-रात्री स्वामी	शुक्र	17.235	पैलू नही	नही

कोई भी उमेदवार पात्र नही, इसलिए, खास उदाहरण में, उची तीव्रता वाला ग्रह चुना गया.
शुक्र को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

मुंथा नौवें स्थान में है, इससें आपको इस साल भाग्य और प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है। इस अवस्था दरम्यान, आप कैरियर में या कुछ सामाजिक कार्य में अच्छी तरक्की कर सकते है। सफलता और प्रसिद्धी सहजतासें आपके पास आयेगी। आपकी आशा और ध्येय सत्य हो सकते है। आप घर में कुछ शुभ कार्य की अपेक्षा कर सकते है या परिवार में आनन्द रह सकता है। विदेशी संबंधों सें आपके परिवार कों आर्थिक प्राप्ती हो सकती है या जमिन मिल सकती है। वह एक प्रतिष्ठीत या आनन्दका व्यवसाय करार भी हो सकता है!! फिर भी, समय व्यतित ना करते हुए, इस समय बहोत सी अच्छी चिजें कर लें।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अच्छे स्थानपर है फिर भी, मुंथा स्वामी अशुभ स्थान पर है। इससे मुंथा के अच्छे प्रभाव नष्ट होते है। और, इस साल दौरान कुछ समस्या भी दिखाई देगी।

मुंथा आठवें स्थान में है। इस साल, आपका स्वास्थ्य ठीक नही रहेगा। आपको खुद को ठीक करने हेतू कुछ समय निकालना पडेगा। आपकी प्रतिष्ठा पर प्रभाव ना पडे इसलिए कुछ बुरे लोगो सें सहकार्य ना करें। इस साल में , कुछ अवधि में आर्थिक कठिनाइयाँ आ सकती है। आपकी बढती आवश्यकता पुरी होने हेतू आपको आवश्यक पैसा प्राप्त नही होगा।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

शुक्र साल का स्वामी है और वह बलवान है। इस आनेवालें साल में, आपकों वैवाहिक आनन्द और घरेलु सुख मिल सकता है। आप सामान्य रूप सें अच्छा स्वास्थ्य पा सकते है। आप स्पर्धात्मक प्रसंगो में सफलता प्राप्त करेंगे। आधुनिक विज्ञान में आपको रूची रहेंगी। आप कुछ गहने या संपत्ती प्राप्त कर सकते है। साल का बलवान स्वामी आपको आर्थिक मामलों में योग्य निर्णय लेने का सामर्थ्य देता है। आपकों लैंगीक सुख में रूची रहेंगी। नया वाहन या आरामदायी चिजें आपको जीवन में आनन्द देंगे और सुख देंगे।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

जन्म लग्न वार्षिक तीसरा स्थान है। इस साल दरम्यान, आप असामान्य रूप का साहस प्रदर्शित करेंगे ऐसे कुछ प्रसंग आ सकते है। आपका आत्मवि□ास कम हो सकता है और आप कुछ खतरनाक व्यवहार कर सकते है। आपके समाज में आप प्रसिद्ध रहेंगी।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा छठे स्थान में है। यह विवादो का कारन है और विरोधीयों से अडचनें, आखों की समस्या, पैसो का नुकसान, मानसिक चिंता, और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है।

सुर्य का पहिले स्थान में अधिकार है। यह स्थान आमवात, पंडुरोग (ॲनिमीया), परिवार के सदस्यों की बिमारी, गंभीर सिरदर्द और आखों के रोग दर्शाता है।

बुध पहिले स्थान में दिखता है। इससे सामान्य आनन्द,, शत्रुओं पर सफलता, नये व्यापार की प्राप्ती, नये मित्र और आर्थिक प्रतिष्ठा दिखती है।

शुक्र बारहवें स्थान में है। इससे जबरन दान, पेट में गॅस और आमवात का दुखना, कानुनी उपायों में विलंब, प्यार के मामलो में निराशा, अलग होना, मृत्यु का भय, उल्टी और बुखार हो सकता है।

मंगल दुसरे स्थान में है। इससे संपत्ती में नुकसान, परिवार में मृत्यु, आखों की अडचनें, कटु और बुरे वक्तव्य सें अडचनें और नजदिकी रिश्तेदारों से विवाद की संभावना है।

गुरू पाँचवे स्थान में है। इससे बच्चो को प्रतिष्ठा, व्यक्ति को उसकी क्षमता और होशियारी दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। शत्रु के पराजय से आनन्द और मौल्यवान धातु की प्राप्ती की भी संभावना है।

शनी आठवे स्थान में है। इससे कैरियर में स्थिरता, गंभीर बिमारी, चोरी और नुकसान हो सकता है।

राहु चौथे स्थान में है। इससे बरबादी, गाडी मे नुकसान या उसकी हानी, अधिकारीयों से अडचनें, कफ, अस्थमा, आमवात का दुखना, बिना किसी लाभ से विदेश में यात्रा की संभावना है।

केतु दसवे स्थान में है। इससे फिशरी और संबंधित व्यवसाय में तरक्की होगी। फिरभी, मानसिक अस्वस्थता भी रहेगी।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	प्रतिकूल
रवि	प्रतिकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	प्रतिकूल
मंगल	प्रतिकूल
गुरु	अनुकूल
शनि	प्रतिकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	मिश्रीत परिणाम

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः **प्रतिकूल**

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	अनुकूल
मुंथा स्वामी	प्रतिकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	प्रतिकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींगः 60 %

■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■□□□□□□□□□□□□

With best wishes : Astro-View
Phone: +91 9446693525

[Ref:3.0.4.3 S Hin-036-F380-ECBD-24B6]

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.